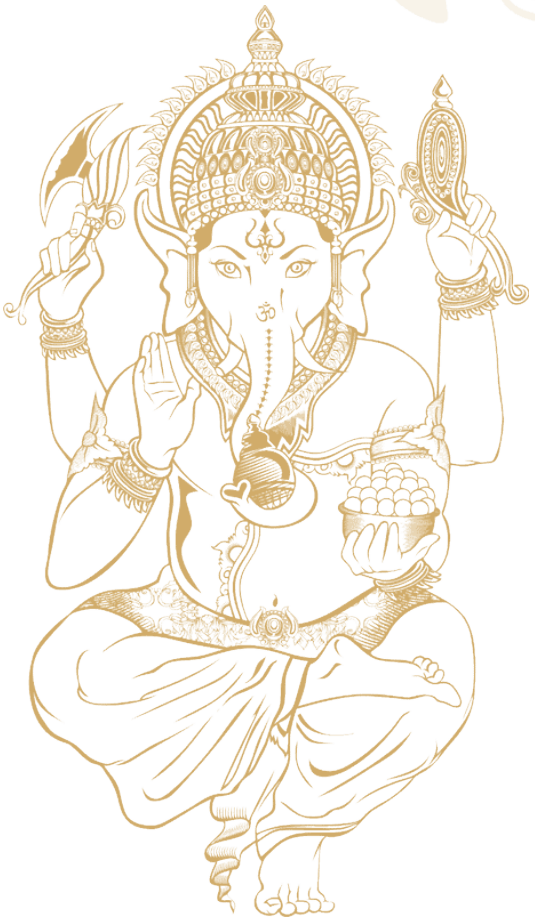

Mr.swastik

09 Nov 2010

09:46 AM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 119490008

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/11/2010**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**09:46:00 घंटे**
इष्ट	07:48:58 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:25:12 घंटे
वेलान्तर	00:16:14 घंटे
साम्पातिक काल	12:38:08 घंटे
सूर्योदय	06:38:24 घंटे
सूर्यास्त	17:30:43 घंटे
दिनमान	10:52:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	22:38:32 तुला
लग्न के अंश	02:19:49 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सुकर्मा
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	02:19:49	326:12:38	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	22:38:32	01:00:17	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	नीच राशि
चंद्र			धनु	00:51:45	13:14:48	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृश्चि	14:34:59	00:43:44	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	स्वराशि
बुध		अ	वृश्चि	06:16:16	01:29:55	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
गुरु	व		कुंभ	29:38:17	00:01:58	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	सम राशि
शुक्र	व		तुला	05:33:41	00:23:15	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि			कन्या	18:22:42	00:06:33	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मित्र राशि
राहु	व		धनु	09:35:21	00:01:08	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	नीच राशि
केतु	व		मिथु	09:35:21	00:01:08	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	नीच राशि
हर्ष	व		मीन	02:57:30	00:01:18	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप			कुंभ	01:54:07	00:00:04	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
प्लूटो			धनु	09:33:54	00:01:36	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
दशम भाव			कन्या	16:22:03	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:47

लग्न-चलित

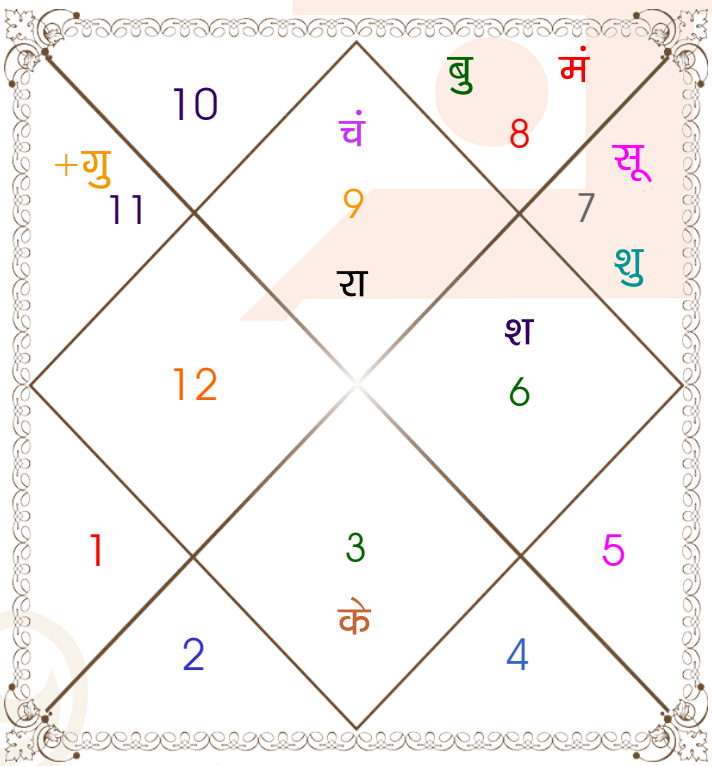

चन्द्र कुंडली

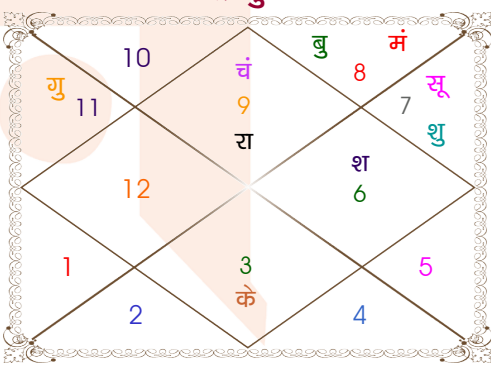

नवमांश कुंडली

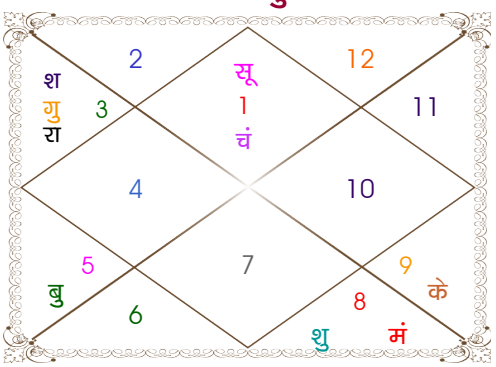

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 6 मास 17 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
09/11/2010		27/05/2017		27/05/2037		28/05/2043		27/05/2053	
27/05/2017		27/05/2037		28/05/2043		27/05/2053		27/05/2060	
	09/11/2010	शुक्र	26/09/2020	सूर्य	14/09/2037	चंद्र	27/03/2044	मंगल	23/10/2053
शुक्र	24/12/2011	सूर्य	26/09/2021	चंद्र	15/03/2038	मंगल	26/10/2044	राहु	11/11/2054
सूर्य	30/04/2012	चंद्र	28/05/2023	मंगल	21/07/2038	राहु	27/04/2046	गुरु	18/10/2055
चंद्र	29/11/2012	मंगल	27/07/2024	राहु	15/06/2039	गुरु	27/08/2047	शनि	26/11/2056
मंगल	27/04/2013	राहु	28/07/2027	गुरु	02/04/2040	शनि	27/03/2049	बुध	23/11/2057
राहु	15/05/2014	गुरु	28/03/2030	शनि	15/03/2041	बुध	27/08/2050	केतु	21/04/2058
गुरु	21/04/2015	शनि	27/05/2033	बुध	20/01/2042	केतु	28/03/2051	शुक्र	21/06/2059
शनि	30/05/2016	बुध	27/03/2036	केतु	28/05/2042	शुक्र	26/11/2052	सूर्य	27/10/2059
बुध	27/05/2017	केतु	27/05/2037	शुक्र	28/05/2043	सूर्य	27/05/2053	चंद्र	27/05/2060

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/05/2060		28/05/2078		28/05/2094		28/05/2113		29/05/2130	
28/05/2078		28/05/2094		28/05/2113		29/05/2130		00/00/0000	
राहु	07/02/2063	गुरु	15/07/2080	शनि	30/05/2097	बुध	25/10/2115	केतु	25/10/2130
गुरु	03/07/2065	शनि	26/01/2083	बुध	07/02/2100	केतु	21/10/2116	शुक्र	10/11/2130
शनि	09/05/2068	बुध	03/05/2085	केतु	19/03/2101	शुक्र	22/08/2119		00/00/0000
बुध	26/11/2070	केतु	09/04/2086	शुक्र	19/05/2104	सूर्य	27/06/2120		00/00/0000
केतु	15/12/2071	शुक्र	08/12/2088	सूर्य	01/05/2105	चंद्र	27/11/2121		00/00/0000
शुक्र	14/12/2074	सूर्य	26/09/2089	चंद्र	30/11/2106	मंगल	24/11/2122		00/00/0000
सूर्य	08/11/2075	चंद्र	26/01/2091	मंगल	09/01/2108	राहु	12/06/2125		00/00/0000
चंद्र	09/05/2077	मंगल	02/01/2092	राहु	15/11/2110	गुरु	18/09/2127		00/00/0000
मंगल	28/05/2078	राहु	28/05/2094	गुरु	28/05/2113	शनि	29/05/2130		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 6 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।